Patna University In News (19.08.2022)

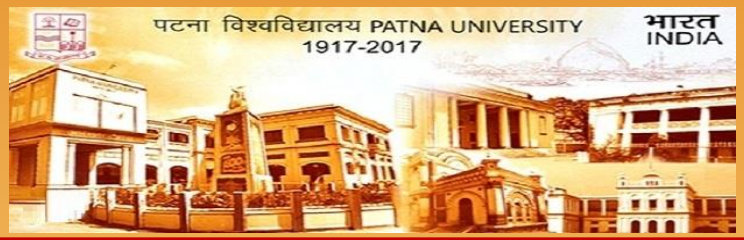

पत्रिकाओं में शोधपत्र प्रकाशित करवाएं छात्र व शिक्षक : कुलपति

पुस्तक का विमोचन करते पटना विवि के कुलपति प्रो गिरीश कुमार चौधरी व अन्य.

पटना. पटना विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के शिक्षक डॉ दिलीप राम द्वारा संपादित 'दलित-विमर्श की प्रतिनिधि कविताएं' का विमोचन पटना विवि के कुलपति प्रो गिरीश कुमार चौधरी ने गुरुवार को किया. इस मौके पर कुलपति ने लेखक की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने समाज और विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण काम किया है. उन्होंने कम संसाधन में पटना विवि को आगे ले जाने की प्रतिबद्धता दोहरायी. उन्होंने नयी मूल्यांकन प्रणाली की भी चर्चा की. शिक्षकों और शोधार्थियों से स्तरीय पत्रिकाओं में शोधपत्र प्रकाशित करवाने और उसको पटना विवि की वेबसाइट पर अपलोड करवाने का अनुरोध किया. कार्यक्रम का संचालन डॉ सितारे हिंद और धन्यवाद ज्ञापन डॉ कंचन कुमारी ने किया.

इस अवसर पर संकलन में शामिल कवि डॉ मुसाफिर बैठा, डॉ प्रदीप कुमार दुबे, डॉ राकेश शर्मा सहित विवि के अन्य शिक्षक, शोधार्थी और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे.

प्रभात खबर Fri, 19 August 2022
https://epaper.prabhatkhabar.co

पीयू : कोर्स पूरा होने पर हॉस्टल खाली नहीं किया तो नहीं मिलेगा सर्टिफिकेट

सख्ती

➲ हॉस्टल कमेटी की बैठक में कुलपति ने दिये निर्देश

पटना. पटना विश्वविद्यालय के द्वारा गुरुवार को हॉस्टल कमेटी की बैठक की गयी. बैठक में सभी कॉलेजों के प्राचार्य, जहां हॉस्टल मौजूद हैं और वहां के सुप्रिटेंडेंट को बुलाया गया था. पीजी विभागों के हॉस्टलों के सुप्रिटेंडेंट को भी बुलाया गया था. बैठक में कुलपति प्रो गिरीश कुमार चौधरी ने सभी प्राचार्यों को यह निर्देश दिये कि हॉस्टलों में सीनियर छात्र अवैध रूप से नहीं रहें, इसके लिए पहले उन छात्रों से नो ड्यूज लिया जाये तभी उन्हें सर्टिफिकेट दिया जाये. जब तक छात्र हॉस्टल खाली करके सभी चीजें यथावत वापस नहीं करता है तब तक उक्त छात्र का सर्टिफिकेट उसे कॉलेज के द्वारा जारी नहीं किया जाये. स्टूडेंट्स वेलफेयर डीन प्रो अनिल कुमार ने बताया कि हॉस्टल सुप्रिटेंडेंट को यह निर्देश दिये हैं कि वे हॉस्टलों में सभी एलॉटेड छात्रों की सूची जारी करेंगे. वहीं जिन कमरों में अवैध रूप से छात्र रह रहे हैं, उसे लॉक करेंगे. उसकी वीडियोग्राफी करेंगे. अगर उक्त ताला फिर टूटता है तो फिर उसकी भी वीडियोग्राफी करेंगे और उसे सीधे पटना विश्वविद्यालय को रिपोर्ट करेंगे.

तीसरे राउंड में सिर्फ 276 नामांकन

पटना. पटना विश्वविद्यालय में तीसरे राउंड में सिर्फ 276 नामांकन हुए हैं. पहले राउंड में 2400 तो दूसरे राउंड में 600 के करीब नामांकन हुए थे. अब तक करीब 3276 नामांकन हुए हैं. स्नातक के तहत विवि में सामान्य व वोकेशनल कोर्स मिलाकर कुल 5000 हजार सीटों पर नामांकन होना है. चूंकि थर्ड राउंड में नामांकन काफी कम हुआ है, फोर्थ लिस्ट भी जारी हो सकती है. इसके बाद स्पॉट राउंड में भी मौका है.

प्रभात खबर Fri, 19 August 2022
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/69777694

शोध को वेबसाइट पर अपलोड कराएं : कुलपति

पुस्तक का लोकार्पण करते पटना विवि के कुलपति प्रो. गिरीश कुमार चौधरी

जासं, पटना : पटना विश्वविद्यालय हिंदी विभाग में डा. दिलत राम द्वारा संपादित दलित -विमर्श की प्रतिनिधि कविताएं का लोकार्पण कुलपति प्रो गिरीश कुमार चौधरी ने किया । उन्होंने नैक रैंकिंग के लिए विविध अकादमिक काम पर जोर देने की बात कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता मानविकी संकाय डीन एवं हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो तरुण ने किया। संग्रह संपादक डा. दिलीप राम ने कहा कि उन्हें छात्र हित में जब-जब विभाग से जिम्मेदारी मिली उन्होंने उसको भरसक पूरा करने का प्रयास किया। कार्यक्रम में डा. कुमारी विभा ने भी विचार व्यक्त किया। कायर्क्रम का संचालन डा. सितारे हिंद और धन्यवाद ज्ञापन डा. कंचन कुमारी ने किया।

'دلت ویمرس کی پرتی نیدھی کویتائیں' کا اجراء

پٹنہ (اسٹاف رپورٹر) ڈاکٹر دلیپ رام کے ذریعہ تحریر کردہ 'دلت ویمرس کی پرتی نیدھی کویتائیں' کا اجراء پٹنہ یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر گریش کمار چودھری کے ذریعہ ہندی شعبہ پٹنہ یونیورسٹی کے نلن ولوچن شرما کانفرنس ہال میں کیا گیا۔ اس موقع پر وی سی نے دلیپ رام کی تعریف کرتے ہوئے کہا کہ انہوں نے سماج اور طلبہ کے لیے اہم کام کیا ہے۔ انہوں نے کم وسائل میں پٹنہ یونیورسٹی کو آگے لے جانے کے عزم کو دہرایا۔ ٹیچروں اور تحقیق کاروں سے سطحی میگزین میں تحقیق شائع کروانے اور اس کو پٹنہ یونیورسٹی کے ویب سائٹ پر اپ لوڈ کروانے کی گزارش کی۔ تقریب کی صدارت پروفیسر ترون کمار نے کی۔ مہمان خصوصی کے طور پر پٹنہ کالج کی ڈاکٹر کماری وبھا نے شرکت کی۔ ساتھ ہی ڈاکٹر ستارے ہند اور ڈاکٹر کنچنا کمار، ڈاکٹر مسافر بیٹھا نے شکریہ کی تجویز پیش کی۔

मनोविज्ञान के नए तथ्यों से रू-ब-रू हुए छात्र

पटना| पटना विवि के मनोविज्ञान विभाग में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त विद्वान प्रो. रामाधार सिंह ने अपने व्याख्यान में छात्रों एवं शोधार्थियों को मनोविज्ञान के नए तथ्यों तथा शोध कार्य के बारे में बताया। प्रो. सिंह को हाल ही में एसपीएसपी की यूएस हेरिटेज वॉल ऑफ फेम सम्मान दिया गया है। यह सम्मान पाने वाले पहले भारतीय हैं।

पीयू के मनोविज्ञान विभाग में व्याख्यान

पटना. पटना विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त विद्वान प्रोफेसर डॉ रामाधार सिंह का व्याख्यान हुआ. प्रोफेसर सिंह को हाल ही में यूएस हेरिटेज वॉल ऑफ फ्रेम ऑफ द सोसाइटी फॉर पर्सनालिटी एंड सोशल साइकोलॉजी (एसपीएसपी) में सम्मान दिया गया है. यह सम्मान पाने वाले वह पहले भारतीय हैं. प्रोफेसर रामाधार सिंह ने पटना विश्वविद्यालय के अलावा आइआइटी कानपुर, आइआइएम अहमदाबाद, आइआइएम बेंगलुरु, अहमदाबाद विश्वविद्यालय में भी शैक्षणिक सेवाएं दी हैं. कार्यक्रम में प्रोफेसर सिंह द्वारा छात्रों व शोधार्थियों को मनोविज्ञान के नये तथ्यों व शोध कार्य के बारे में ज्ञान दिया गया.

प्रभात खबर Fri, 19 August 2022
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/6